INDIAN SCHOOL MUSCAT PRIMARY SECTION	
Story No: 1 & 2	**Name:**
Resource Person: Ms. RICHA MATHUR	**STD: IV Sec:**

शब्द और पंख

एक बार एक किसान ने अपने पड़ोसी को बहुत बुरा भला कह दिया लेकिन बाद में उसे अपनी गलती का अहसास हुआ तो वो पश्चाताप के लिए एक संत के पास गया। उसने जाकर संत से अपने शब्द वापिस लेने का उपाय पूछा ताकि उसके मन का बोझ कुछ कम हो सके।

संत ने किसान से कहा –एक काम करो तुम जाकर कहीं से खूब सारे पंख इक्कठा कर लो और उसके बाद उन पंखो को शहर के बीचों–बीच जाकर बिखेर दो।

किसान ने ऐसा ही किया और फिर संत के पास पहुँच गया।

संत ने उस किसान से कहा– क्या तुम ऐसा कर सकते हो कि जाकर उन पंखों को पुनःसमेट कर ले आओ ।

इस पर किसान वापिस गया तो देखता है कि हवा के कारण सारे पंख उड़ गये हैं और कुछ जो बचे हैं वो समेटे नहीं जा सकते।

किसान खाली हाथ संत के पास पहुँचा तो संत ने उसे समझाया कि ठीक ऐसा ही तुम्हारे शब्दों के साथ होता है तुम बड़ी आसानी से किसी को कुछ भी बिना सोचे समझे कह सकते हो लेकिन एक बार कह देने के बाद वो शब्द वापिस नहीं लिए जा सकते, ठीक ऐसे ही जैसे ही एक बार बिखेर देने के बाद पंखों को वापिस नहीं समेटा जा सकता।

तुम चाह कर भी उन शब्दों को वापिस नहीं ले सकते इसलिए आज के बाद कभी भी किसी से कुछ कहने से पहले सोच समझकर कहना।

सीख – सोच समझकर बोलना चाहिए

मकड़ी की सीख

एक बार दो राजाओं के बीच युद्ध छिड़ गया । उनमें से एक राजा पराजित हो गया। वह जंगल की ओर भाग गया। उसने एक गुफा में शरण ली। विजयी राजा ने उसका पीछा करने के लिए अपने सैनिक भेजे। वह उसे बंदी बनाना चाहाते थे। राजा बहुत दुखी हो गया और हिम्मत हार बैठा।

एक दिन राजा गुफा में लेटा हुआ था। तभी उसका ध्यान एक छोटी–सी मकड़ी की ओर गया।

वह गुफा की छत के एक कोने में जाला बुनने का प्रयत्न कर रही थी। वह सरपट दीवार पर चढ़ती।

बीच में जाले का कोई धागा टूटता और वह जमीन पर आ गिरती।

पर मकड़ी ने हिम्मत नहीं हारी। वह बार –बार प्रयास करती रही। आखिर वह जाला बुनते–बुनते छत तक पहुँचने में सफल हो गई।

राजा ने सोचा " यह नन्ही–सी मकड़ी बार–बार असफल होती रही, लेकिन इसने प्रयास करना नहीं छोड़ा । मैं तो राजा हूँ । फिर मैं प्रयास करना क्यों छोड़ दूँ ? मुझे फिर से प्रयत्न करना चाहिए"।

राजा ने जंगल से बाहर निकलकर एक शक्तिशाली सेना खड़ी की।

वह वीरतापूर्वक लड़ा और उसकी विजय हुई। उसे अपना राज्य वापस मिल गया।

राजा उस मकड़ी को जिंदगीभर नहीं भूल सका, जिसने उसे सदा प्रयास करते रहने का सबक सिखाया था।

सीख– बार–बार प्रयास करने से सफलता अवश्य मिलती है।